छबड़ा की नवनिर्मित पहली इकाई सिन्क्रोनाइज्ड
क्षमता 250 मेगावाट : प्रतिदिन 60 लाख यूनिट बिजली

बारां जिले की छबडा तहसील के गांव चौकी मोतीपुरा में निर्माणाधीन छबडा सुपर थर्मल पॉवर परियोजना की 250 मेगावाट क्षमता वाली पहली इकाई गुरुवार 16 अप्रेल को सायं 8 बजकर 4 मिनट पर विद्युत उत्पादन के लिये सफलतापूर्वक सिन्क्रोनाइज कर ली गई हैं। निर्धारित तकनीकी परीक्षणों के उपरांत इस इकाई में पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन शुरु कर दिया जायेगा जिससे राज्य को प्रतिदिन 60 लाख यूनिट बिजली मिलने लगेगी।

पहली इकाई के सिन्क्रोनाइजेशन पर विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा. एस.के.कल्ला, निगम के निदेशक श्री एम.एल.कोठारी, मुख्य अभियंता श्री आई.जे. पाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री जे.पी.चतुर्वेदी, उप मुख्य अभियंता श्री एस.के.वरियानी, भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि. के अतिरिक्त महाप्रबन्धक श्री राकेश माथुर व श्री अरुण कुमार, पुंजलॉयड के अतिरिक्त महाप्रबन्धक श्री विश्वनाथन व इन्स्ट्रूमेटेंशन लिमिटेड के श्री के.पी.जैन तथा परियोजना से जुडे अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

परियोजना के प्रथम चरण में निर्माणाधीन 250 मेगावाट क्षमता की दूसरी इकाई का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इसे इस वर्ष सितम्बर माह में चालू कर दिए जाने का लक्ष्य है। प्रथम चरण के मुख्य प्लांट बॉयलर, टरबाइन व जनरेटर की डिजाइनिंग, सप्लाई व इरेक्शन का कार्य भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स ने किया है तथा स्टेशन कन्ट्रोल कार्य इन्स्ट्रूमेटेंशन लिमिटेड, कोटा और परियोजना के शेष कार्य पुंज लॉयड लिमिटेड द्वारा किये गये है। प्रथम चरण में स्थापित की जा रही दोनो इकाइयों की अनुमानित लागत 2350 करोड रुपये है।

प्रथम चरण के दूसरे फेज में 250—250 मेगावाट क्षमता की दो और इकाइयों पर भी निर्माण कार्य चल रहा है। इसके मुख्य उपकरणों की सप्लाई व इरेक्शन का कार्य मैसर्स भेल को तथा बैलेन्स आफ प्लांट कार्य का आदेश मैसर्स इन्ड्योर लिमिटेड को दिया जा चुका है। तीसरी इकाई को अगस्त 2011 में तथा चौथी इकाई को अक्टूबर 2011 में चालू करने का लक्ष्य है।

परियोजना के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे चरण में हाल ही में 660—660 मेगावाट क्षमता की नई स्वीकृत दो इकाइयों पर भी परियोजना निर्माण से संबंधित आरम्भिक कार्य प्रारम्भ कर दिये गये है। इस चरण के अंतर्गत पांचवी इकाई को मार्च 2013 तथा छठी इकाई को सितम्बर 2013 में चालू करने का लक्ष्य है। इन इकाइयों के चालू होने के साथ ही छबडा ताप बिजलीघर की क्षमता 2320 मेगावाट हो जायेगी।

विद्युत उत्पादन निगम ने पिछले माह 31 मार्च को सूरतगढ सुपर ताप बिजलीघर में 250 मेगावाट क्षमता की छठीं इकाई को सिन्क्रोनाइज किया था तथा इस माह के अंत तक कोटा सुपर ताप बिजलीघर में निर्माणाधीन 195 मेगावाट क्षमता की सातवी इकाई को सिन्क्रोनाइज कर लिये जाने का लक्ष्य है।